

हाइवे किनारे मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, क्षेत्र में फैली सनसनी



कुन्दरकी। मुरादाबाद जनपद के कुन्दरकी थाना क्षेत्र के डीएमएच इलाके में उस समय सनसनी फैल गई जब हाइवे के किनारे एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा मिला। सुबह राहगीरों ने सड़क किनारे शव देखा तो तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कुन्दरकी थाना पुलिस मौके पर

पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ कर रही है ताकि मृतक की पहचान की जा सके फिलहाल पुलिस मामले को गंभीरता से जांच कर रही है

और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। थानाध्यक्ष कुन्दरकी ने बताया कि शव को पहचान होते ही परिजनों से पूछताछ की जाएगी। घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोग तरह-तरह की चर्चाएं कर रहे हैं।

मारपीट, तीन तलाक और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में महिलाओं सहित 10 के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कांठ (शाह टाइम्स)। छजलेट पुलिस ने दहेज को लेकर महिला का उत्पीड़न करने तीन तलाक देने जान से मारने की धमकी देने और अन्य गंभीर धाराओं में एसएसपी के आदेश से 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। छजलेट थाने के गांव सलाबा खेड़ा निवासी नसरीन पुत्री शमीम का निकाह शराफत पुत्र छिड़ा निवासी कमालपुर थाना असमौली जिला सम्भल के साथ मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार हुआ था। ससुराल वाले शराफत पुत्र छिड़ा (पति) नजाकत पुत्र छिड़ा (जेठ) रफी पुत्र छिड़ा (देवर) मुनाजरी पत्नी छिड़ा (सास) सारवा पुत्र छिड़ा (नन्द) राहेमीन पुत्र छिड़ा (नन्द) ताहिर पुत्र नमालूम (ननवाई) जैनव पत्नी ताहिर (नन्द) दहेज में एक बुलैट मोटर साईकिल व पाँच लाख रुपये की मांग कर रहे थे। मना करने पर उक्त लोगों ने विवाहिता को मारपीट करके घर से निकाल दिया वह अपने पिता के घर सलाबा खेड़ा में रह रहने लगी 08

नवम्बर को करीब 3 बजे उसके ससुराल वाले घर के अन्दर घुस आये और कहने लगे कि तुने हमारे खिलाफ मारपीट व दहेज मांगने के सम्बन्ध में थाने में प्रार्थना पत्र दिया है पुलिस हमें परेशान कर रही है और तुने अभी तक अपने मांयके वालों से हमें दहेज में पाँच लाख रुपये व एक बुलैट मोटर साईकिल नही दिलवायी है। आज हम तुझे जान से ही मार देते हैं। गालिया देने से मना किया तो उक्त लोगों ने जान से मारने की नियत से लात घुसो व लाठी डन्डी व बैल्टो से काफी मारा पीटा और गले में दुपट्टा डालकर गला घोटने लगे, नजाकत रिफाकत, रफी व ताहिर ने कोली

भरकर जमीन पर गिरा दिया और अश्लील हरकतें की व कपड़े फाड़ दिये चीख पुकार सुकर गांव के लोग आ गए और वामुशिकल उक्त लोगों से बचाया। पति शराफत ने एक बार में ही तीन बार तलाक तलाक तलाक कहकर तलाक दे दिया। पीड़िता थाने पहुंची और पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई पुलिस द्वारा सुनवाई न करने पर उसने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को आप बीती बता कर कार्रवाई की मांग की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को आदेश पर पुलिस ने महिलाओं सहित 10 लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

आज चार घंटे बंद रहेगा बेरनी बिजली घर

बिलारी। 132 केवी बिजली घर चंदौसी से बेरनी बिजली घर को जाने वाली 33 केवीए विद्युत लाइन को बाधित कर रहे पेड़ों की छंटाई के कारण आज बृहस्पतिवार को दिन में 11 से 3 बजे तक बेरनी बिजली घर से जुड़े सभी फीडों पर बिजली बाधित रहेगी। विद्युत उपखंड अधिकारी सहसुर राम मनोहर यादव ने बताया उपभोक्ता जरूरी कार्य इससे पहले ही निपटा लें।

एक नजर

सपा सांसद धर्मेन्द्र यादव और आदित्य यादव ने हाजी हाफिज के निधन पर जताया शोक



कुन्दरकी (शाह टाइम्स संवाददाता)। मुरादाबाद की कुन्दरकी विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक हाजी मोहम्मद रिजवान के भाई हाजी हाफिज के आकस्मिक निधन पर सपा नेताओं का शोक जताने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में आज समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद धर्मेन्द्र यादव तथा आदित्य यादव मुरादाबाद पहुंचे। उन्होंने हाजी रिजवान के आवास जाकर परिवारजनों से मुलाकात की और गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। दोनों नेताओं ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि हाजी हाफिज एक मिलनसार और समाजसेवी व्यक्ति थे, उनके निधन से क्षेत्र का अपूरणीय क्षति हुई है। इस दौरान स्थानीय सपा नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे जिन्होंने पूर्व विधायक हाजी रिजवान को ढाँस बंधाया। समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेन्द्र यादव और आदित्य यादव का उनके पुत्र मुहम्मद अजीम पाशा ने शुक्रिया अदा किया।

टीएमयू में 'क्लीन मुरादाबाद-ग्रीन मुरादाबाद' सामाजिक एवं पर्यावरणीय अभियान का आयोजन



मुरादाबाद। टिमिट-कॉलज ऑफ मैनेजमेंट के एमबीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने "क्लीन मुरादाबाद - ग्रीन मुरादाबाद" नामक एक दिवसीय सामाजिक एवं पर्यावरणीय अभियान का आयोजन किया। इस अभियान के तहत विद्यार्थियों ने शहर के प्रमुख क्षेत्रों में स्वच्छता और हरियाली का संदेश देते हुए रैलियाँ निकालीं तथा बेनरों के माध्यम से लोगों को शहर को स्वच्छ एवं हराभरा बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वच्छ एवं हरित मुरादाबाद के निर्माण में योगदान देना था। विद्यार्थियों ने "स्वच्छ शहर, स्वस्थ जीवन", "हरियाली है तो खुशहाली है" जैसे संदेशों के साथ जनसामान्य को प्रेरित किया। इस अवसर पर टिमिट के डीन प्रो. विपिन जैन ने विद्यार्थियों और कार्यक्रम संयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों ने केवल समाज के प्रति जिम्मेदारी को भावना विकसित करती है, बल्कि विद्यार्थियों में नेतृत्व, सहयोग और सामाजिक संवेदशीलता का भी विकास करती हैं। उन्होंने कहा कि टिमिट सदैव समाज सेवा और पर्यावरण संरक्षण जैसी पहलों को प्रोत्साहित करता है, ताकि विद्यार्थी अपने ज्ञान के साथ-साथ समाज में सकात्मिक परिवर्तन के वाहक बन सकें। कार्यक्रम के सफल आयोजन में एमबीए विभाग के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अभियान का समापन सभी प्रतिभागियों के संकल्प के साथ हुआ कि वे "क्लीन मुरादाबाद, ग्रीन मुरादाबाद" को साकार करने में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

दिल्ली ब्लास्ट पर आक्रोश, युवाओं ने फूँका आतंकवाद का पुतला

चन्दासी। दिल्ली में हुए ब्लास्ट की घटना पर रोष व्यक्त करते हुए अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल ने सीतारोड पर नगराध्यक्ष अनुज चोपड़ा के नेतृत्व में आतंकवाद का पुतला फूँका और मृतक निर्दोष लोगों के लिए 02 मिनट का मौन धारण करते हुए धायलों के जल्दी स्वस्थ होने की कामना की। नगराध्यक्ष अनुज चोपड़ा ने कहा कि राजधानी में इस तरह के हमले ने सुरक्षा की भावना को झकझोर दिया है जो भी आतंकी घटना में लिप्त है उनको किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाए ऐसी सजा दी जाए जो आतंकीयों को नाजिर बन जाये। भारत सरकार से अपील है जो भी दिल्ली की आतंकी घटना में शामिल है उसका इलाज तुरन्त कर दिया जाये। इस दौरान कमला चोपड़ा, विमल चोपड़ा, राजीव, नवनीत शर्मा, हर्देश, रमाकांत शर्मा, रितिक चोपड़ा आदि शामिल रहे।

अखंड जोत लाने को रवाना हुआ जत्था

कांठ (शाह टाइम्स)। रामल। लेला मैदान कांठ में बम बटक एकता मंच के तत्वाधान में 15 नवम्बर को होने वाले मां भगवती के 17 वें भव्य विशाल जागरण में मां ज्वाला देवी मंदिर हिमाचल प्रदेश से अखंड ज्योत लाकर स्थापित किए जाने को लेकर 18 सदस्यों का जत्था हिमाचल प्रदेश के लिए रवाना हुआ।

रामलीला मैदान से बम बटक एकता मंच के अध्यक्ष डॉ. देवराज सिंह द्वारा जत्थे में शामिल डॉ. विवेक, कुमार, निशांत कुमार, वीरेंद्र विशनोई, अमित कुमार, गणेश कुमार, मनोज कुमार, पुनीत कुमार, रणवीर सिंह, अरविंद कुमार, अनुभव कुमार, गोविंद भुइया, सुकन्या पांडे, अरुण कुमार, कपिल विशनोई, राखेंद्र सैनी आदि को फूलमालाएं पहनकर रवाना किया गया। यह जत्था 15 नवंबर की प्रातः ज्वाला देवी मंदिर हिमाचल प्रदेश से



अखंड जोत लेकर भूई मंदिर कांठ पहुंचेगा। यहां से रामलीला मैदान तक शोभायात्रा निकाली जाएगी। जत्थे को रवाना करने में हेमंत कुमार, जितेंद्र

अब्दुल्लाह शाह मियां का सालाना उर्स शुरू

गुल व चादर पोशी कर मांगी मुल्क व कौम की तरक्की की दुआएं

शाह टाइम्स संवाददाता कुंदरकी। हाथीपुर चित्तू स्थित हजरत अब्दुल्लाह शाह का 89वां उर्स गुल व चादर पोशी कर मुल्क व कौम तरक्की की दुआ के साथ शुरू हुआ। गौरतलब है कि हाथीपुर चित्तू स्थित हजरत अब्दुल्लाह शाह की दरगाह पर उर्स के मौके पर मोहम्मद जान तुर्की पत्रकार व रियासत हुसैन की ओर से गुल वा चादर पोशी करने के साथ उर्स का आगाज हुआ। हजरत अब्दुल्लाह शाह का यह 89वां उर्स मनाया जा रहा है। हजरत अब्दुल्लाह शाह दरगाह के सज्जादा नशीन हाजी नौशे मियाँ की मौजूदगी में इमाम कर्म आलम ने दुआ कराई। इस मौके पर मुख्य रूप से रियासत हुसैन मासूम अली मासूम अली मोहम्मद हनीफ रियासत चौधरी मुन वाजिद अखत पाशा हनीफ चाचा सलीम नेताजी मुन हुसैन हाजी यूसुफ



हुसैन हाजी हाफिज अव्वार हुसैन साविर हुसैन नन्दे हुसैन हाफिज हसनैन जफरी कल्लू हुसैन अख्तर हुसैन आदि मौजूद थे। इस मौके पर सज्जादा नशीन हाजी नौशे मियाँ ने बताया कि उर्स के मौके पर कौमी जलसे का भी आयोजन

किया जाएगा और बृहस्पतिवार को सुबह 11.30 बजे चादर व गुलपोशी करने के साथ साथ शाम 3 बजे कुल शरीफ होगा। बृहस्पतिवार को दरगाह शरीफ आने वाले जायरीनों के लिए लंगर का भी एतमान किया गया है।

विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बच्चों ने किया अच्छे खेलों का प्रदर्शन

कांठ (शाह टाइम्स)। हाँवर्ड कॉन्वेंट स्कूल गढ़ी में चल रहे पांच दिवसीय स्पोर्ट फेस्ट के तीसरे दिन का आयोजन हथौल्लास के साथ किया गया। जिसमें कक्षा 6 से 8 तक के छात्र-छात्राओं ने टय ऑफ वार, कबड्डी, खो खो, बैलेंसिंग रेस, सिंपल रेस, सैक रेस जैसे मनोरंजक एवं उत्साहवर्धक खेलों का आयोजन। खेल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत कबड्डी में रेड हाउस प्रथम, ग्रीन हाउस द्वितीय एवं ब्लू हाउस तृतीय स्थान पर रहा।



छात्राओं के बीच हुई सैक रेस के अंतर्गत कक्षा 7 की छात्रा असना ने प्रथम स्थान, कक्षा 6 की छात्रा कनिष्का ने द्वितीय स्थान एवं कक्षा 6 की ही छात्र हंसिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्रों के बीच हुई बैलेंसिंग रेस में कक्षा 7 छात्र केशव कुमार ने प्रथम स्थान एवं कक्षा 7 के छात्र जीशान ने द्वितीय स्थान एवं हसान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्र-छात्राओं के

‘डायरिया से डर नहीं’ कार्यक्रम से निजी चिकित्सकों को जोड़ने की पहल

■ बैठक में टीकाकरण की रिपोर्टिंग पर भी हुई विस्तार से चर्चा

शाह टाइम्स ब्यूरो मुरादाबाद। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में जनपद में चलाये जा रहे 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम से निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम और निजी चिकित्सकों को भी जोड़ने की एक पहल की गयी है। इस सम्बन्ध में बुधवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में एक बैठक हुई, जिसमें निजी क्षेत्र के अस्पतालों के प्रति. निधियों और निजी चिकित्सकों ने भाग लिया। बैठक में निजी चिकित्सकों के पास आने वाले डायरिया केस के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। चिकित्सकों ने सहमति भी जताई कि वह इस दिशा में हरसम्भव सहयोग करेंगे ताकि डायरिया केस की सही रिपोर्टिंग हो सके और उसके निदान की दिशा में उचित कदम उठाये जा सकें। बैठक में 23 निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों और 15 निजी चिकित्सकों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर.के. शर्मा ने सर्दियों में होने वाली



डायरिया के बारे में विस्तार से जानक. अस्पताल और चिकित्सक क्लिनिक रि दी। उन्होंने कहा कि निजी पर ओआरएस कानन बनायें ताकि

लोगों की डायरिया की स्थिति में ओआरएस की उपयोगिता की सही जानकारी आसानी से मिल सके। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष डॉ. सी.पी. सिंह ने कहा कि जो निजी अस्पताल एचएम आईएस पर मैप नहीं हैं उनको मैप करने में सहयोग किया जाये। उन्होंने ओआरएस कानन बनाये जाने के प्रमुख बिन्दुओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि केस की सही रिपोर्टिंग होने से सरकार स्वास्थ्य सेवाओं का आकलन कर उनकी गुणवत्ता में सुधार के लिए नीतियां तैयार करती है और

लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं। इस मौके पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक रघुवीर सिंह, जिला कम्युनिटी प्रोसेस प्रबंधक चंद्रशेखर, अर्बन हेल्थ कोऑर्डिनेटर प्रमोद कुमार, एचएम आईएस से राजीव, जेएसआई से रजनी त्यागी एवं राबिजा एवं पी एस आई इंडिया से मोहम्मद रिजवान एवं ममता सैनी आदि उपस्थित रहे।

बेदखली सूचना
हमने अपनी पुत्री कुु प्रीति को गलत संगत/गलत आचरण व अपनी मर्जी से शादी करने के कारण अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखलकर पारिवारिक संबंध विच्छेद कर लिए हैं। भविष्य में कु. प्रीति व उसके पति टिंकू के द्वारा किए गए किसी भी कृत्या/लेनदेन व मुकदमों/बाजी के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। दिनांक: 14.10.2025 से हमारा व हमारे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई ताल्लुक व वारसा नहीं होगा। **बलवीर सिंह पुत्र स्व० गोकुल सिंह व श्रीमती गुलाब देवी पत्नी बलवीर सिंह निवासीराजग्रां ग्राम नगला बनवीर, पोस्ट व थाना पाकबड़ा, तहसील व जिला मुरादाबाद। मो० नं०-7983751939**

बालवाटिका के ईसीसीई एजुकेटर की ऑनलाइन दर्ज होगी हाजिरी

कांठ (शाह टाइम्स)। बालवाटिका में बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से ईसीसीई एजुकेटर की तैनाती की जा रही है। विभाग ने निर्देश दिया है कि ईसीसीई एजुकेटर की उपस्थिति 15 नवंबर से प्रेरणा पोर्टल पर ऑनलाइन लगेंगी। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से प्रो प्राइमरी शिक्षा के तहत को-लोकटेड आंगनवाड़ी केंद्रों, बालवाटिका में शिक्षा मंत्रालय की सहमति से लगभग 8000 एजुकेटरों की तैनाती की जा रही है। जिला स्तर पर अलग-अलग इनकी तैनाती की जा रही है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मॉनिका रानी ने सभी बीएसए को निर्देश दिया है कि चयनित ईसीसीई एजुकेटर की तैनाती के साथ ही प्रेरणा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। प्रेरणा पोर्टल पर ईसीसीई एजुकेटर का रजिस्ट्रेशन करने के साथ ही संबंधित की उपस्थिति ऑनलाइन मोड पर की जाएगी।

रैंकिंग में कोहली ने बाबर को पछाड़ा

टी-20 में तिलक वर्मा को हुआ 2 स्थान का नुकसान, टेस्ट टीम में इंग्लैंड नंबर-2 पर आया

दुबई, वार्ता। विराट कोहली ने आईसीसी वनडे बैटर्स की रैंकिंग में पाकिस्तान के बाबर आजम को पीछे छोड़ दिया है। बुधवार को 37 साल के विराट 725 रैंकिंग पाइंट्स के साथ 5वें स्थान पर आ गए हैं।

वहीं बाबर आजम (709 अंक) दो स्थान के नुकसान के साथ 7वें नंबर पर खिसक गए। रोहित शर्मा (781 अंक) के साथ पहले और कप्तान शुभमन गिल (745 अंक) चौथे स्थान पर हैं। इसके अलावा, टी-20 बैटर्स की रैंकिंग में तिलक वर्मा को दो स्थान का नुकसान हुआ है। वे 761 अंक के साथ 5वें नंबर पर आ गए हैं। श्रीलंका के पथुम निसांका (779 अंक) तीसरे और जोस बटलर (770 अंक) चौथे स्थान पर हैं।



सलमान और अबरार करियर बेस्ट रैंकिंग पर पहुंचे पाकिस्तान के सलमान आगा और स्पिनर अबरार अहमद ने वनडे में करियर की बेस्ट रैंक हासिल की है। दोनों को साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के खिलाफ वनडे में शानदार प्रदर्शन का फायदा मिला

गिल को 8 अंक का फायदा टी-20 बैटर्स रैंकिंग शुभमन गिल को 8 रैंक का फायदा हुआ है। वे 22वें नंबर पर आ गए हैं। गिल ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ 46 और नाबाद 29 रन की पारियां खेली थीं। न्यूजीलैंड के टिम राबिन्सन 18 स्थान के फायदे के साथ 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के रोममैन पावेल को 4 स्थान का फायदा हुआ है। वे 30वें स्थान पर पहुंच गए हैं। टी-20 बालर्स में जैकब डफी को 8 स्थान का फायदा बालर्स रैंकिंग में न्यूजीलैंड के जैकब डफी 6 स्थान ऊपर आए हैं। वे तीसरे स्थान पर हैं। मिचेल सैंटनर 5 स्थान के फायदे के साथ 23वें स्थान पर आ गए हैं। वेस्टइंडीज के रोस्टन चेज 32वें नंबर पर हैं।

अबरार अहमद ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ क्रमशः 3/53 और 4/27 के आंकड़ें हासिल किए। इससे वे गेंदबाजों की रैंकिंग में 17 स्थान ऊपर चढ़कर 20वें नंबर पर आ गए हैं। वे पाकिस्तान के टाप वनडे गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी (16वें स्थान) से अब सिर्फ चार पायदान दूर हैं। टेस्ट की टीम रैंकिंग में इंग्लैंड नंबर-2 पर आया, टेस्ट की टीम रैंकिंग में इंग्लिश टीम नंबर-2 पर आ गई है। बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लिश टीम ने वर्ल्ड चैंपियन द. अफ्रीका को पीछे छोड़ा। इस लिस्ट में आस्ट्रेलियाई टीम नंबर-1 पर है। कंगारूओं के 124 रैंकिंग पाइंट्स हैं। वहीं, इंग्लैंड 112 और द.अफ्रीका 111 अंक के साथ दूसरे व तीसरे स्थान पर आ गए हैं। क्रिकेट ग्राउंड पर एक मंच बनाया जा रहा है जिस पर दीप्ति का स्वागत

दीप्ति के स्वागत को आगरा तैयार

आगरा, वार्ता। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी दीप्ति शर्मा कल 13 नवम्बर को आगरा पहुंच रही हैं। महिला विश्व कप क्रिकेट को जीतने के बाद पहली बार दीप्ति शर्मा गुरुवार को आगरा अपने घर अवधपुरी आ रही हैं। दीप्ति शर्मा के स्वागत के लिए तैयारियां जोर-से शुरू हो गई हैं। पूरे शहर में जगह-जगह पर होर्डिंग और पोस्टर लगा दिए गए हैं। गुरुवार को दिल्ली से सीधे कार द्वारा आगरा पहुंचेंगी और दोपहर 12 बजे से रोड शो शुरू होगा। तकरीबन 10 किलोमीटर लंबा रोड शो प्रस्तावित है।

होटल क्लार्क इन से रोड शो शुरू होकर और दोपहर के बाद उस क्रिकेट एकेडमी में पहुंचेगा जहां पर दीप्ति शर्मा अभ्यास करती हैं। रोड शो के दौरान जगह जगह पर स्वागत किया जाएगा। फूल मालाओं से स्वागत के लिए लोग रास्ते में खड़े होंगे। दीप्ति शर्मा के सम्मान में रोड शो महज 10 किलोमीटर का जरूर होगा लेकिन उम्मीद जताई जा रही है कि भारी भीड़ दीप्ति को देखने और स्वागत के लिए उमड़ेंगी। रोड में शो में आगरा के स्थानीय क्रिकेटर भी शामिल होंगे इसके अलावा कई सामाजिक संगठनों की भागीदारी रहेगी। दीप्ति के आगमन को लेकर क्रिकेट एकेडमी में भी तैयारियां हो रही हैं। एकेडमी में भी कई होर्डिंग और पोस्टर लगा दिए गए हैं। क्रिकेट ग्राउंड पर एक मंच बनाया जा रहा है जिस पर दीप्ति का स्वागत



किया जाएगा। एकेडमी के जूनियर खिलाड़ी भी काफी उत्साहित हैं।

जूनियर खिलाड़ियों के लिए दीप्ति अब एक रोल मॉडल बन गई हैं। विश्व कप जीतने के बाद जूनियर खिलाड़ी दीप्ति का इंतजार कर रहे हैं। दरअसल दीप्ति जब भी आगरा में होती हैं तो अपनी ही एकेडमी में ही अभ्यास करती हैं। इसलिए रोड शो का अंतिम पड़ाव एकेडमी में रखा गया है।

संक्षिप्त खेल समाचार

भारत-द. अफ्रीका

के बीच कल होगा

टेस्ट सीरीज का

पहला मुकाबला

नई दिल्ली, वार्ता। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो टेस्ट , तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 मैचों की सीरीज शुरू होने जा रही है और इसका पहला टेस्ट शुक्रवार से कोलकाता के इडेन गार्डेंस स्टेडियम में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर एकदिवसीय सीरीज में खराब प्रदर्शन के बाद टी-20 सीरीज जीतकर भारतीय टीम उत्साहित हैं। इससे पहले पिछले महीने भारत ने घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज को एकतरफा मुक़ाबले में हराया था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के नए कार्यक्रम के अनुसार भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे। गांधी-मंडेला ट्रॉफी का पहला मैच 14 नवम्बर से कोलकाता के इडेन गार्डेंस स्टेडियम में शुरू होगा।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान के लोगो शुभंकर , मशाल जर्सी और राष्ट्रगान का शुभारंभ

जयपुर, वार्ता। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने बुधवार को जयपुर के ऐतिहासिक आमेर किले में एक भव्य कार्यक्रम में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने राजस्थान सरकार और राजस्थान राज्य खेल परिषद (आरएसएससी) के सहयोग से आयोजित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 के लिए आधिकारिक लोगो, शुभंकर, मशाल, जर्सी और राष्ट्रगान का अनावरण किया। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान का शुभंकर राज्य के आधिकारिक पशु - ऊँट - और पारंपरिक अभिवादन 'खुम्मा घानी' से प्रेरित हैं। वे राजस्थान की गर्मजोशी, लचीलेपन और आतिथ्य का प्रतीक हैं।

बधिर ओलंपिक में जर्लिन होंगी भारतीय

ध्वजवाहक

नई दिल्ली, वार्ता। बधिर ओलंपि में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाले जर्लिन जयराजगान 15 से 26 नवंबर तक टोक्यो में होने वाले आगामी ग्रीष्मकालीन खेलों में भारत की ध्वजवाहक होंगी। इस बार रिकॉर्ड 111 सदस्यीय भारतीय दल बधिर ओलंपिक में भाग लेगा। यहा जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित एक समारोह में खेल सचिव हरि रंजन राव ने भारतीय दल को गर्मजोशी से विदाई दी। भारतीय दल की आधिकारिक किट का भी अनावरण किया गया। भारतीय एथलीटों का पहला जंथ्था गुरुवार को टोक्यो के लिए रवाना होगा। मांडविया ने भारतीय दल को दिए संदेश में कहा कि विश्व एथलीटों के लिए वैश्विक आयोजनों में भारत की तीव्र प्रगति गर्व की बात है। खेलों के माध्यम से समावेशिता को बढ़ावा देने और स्वस्थ पहुंच को बढ़ावा देने का प्रयास है।

अगली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में 12 टीमों और वनडे सुपर लीग शुरूकरने की सिफारिश

दुबई, वार्ता। अगली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2027-29 चरण में सभी 12 पूर्णकालिक सदस्य एक ही डिवीजन में शामिल करने और एकदिवसीय सुपर लीग फिर से शुरू करने की सिफारिश की गई है।

न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रोजर टूज की अगुवाई में एक कार्य समूह ने पिछले हफ्ते दुबई में हुई तिमाही बैठकों के दौरान आईसीसी बोर्ड और मुख्य कार्यकारी समिति (सीईसी) को इस संदर्भ में अपनी सिफरिशें सौंपीं। इस समूह को को क्रिकेट के तीनों प्रारूपों से जुड़े जरूरी मुद्दों पर ध्यान देने का काम सौंपा गया है। कार्य समूह ने अगले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (2027-29) चक्र के लिए सभी 12 पूर्णकालिक सदस्यों की एक स्तरीय प्रणाली लागू करने की सिफारिश की गई।

● **रोजर की अगुवाई में एक कार्य समूह ने दुबई में हुई तिमाही बैठकों के दौरान आईसीसी बोर्ड और सीईसी को इस संदर्भ में अपनी सिफारिशें सौंपीं**

अफगानिस्तान, जिम्बाब्वे और आयरलैंड के अगले चक्र में शामिल होने की संभावना है। इस दौरान सदस्य देशों के साथ द्वि-स्तरीय प्रणाली पर व्यापक चर्चा हुई। श्रीलंका, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान जैसे देशों ने द्वि-स्तरीय प्रणाली का विरोध करते हुए कहा कि अगर बड़े देशों के खिलाफ मैच नहीं हुए तो उनके बोर्ड पैसे नहीं कमा पाएगा। अभी केवल नौ देश विश्व टेस्ट चैंपियनशिप खेल रहे हैं। बोर्ड के एक निदेशक ने क्रिकइन्फो को बताया कि इससे यह सुनिश्चित होता है कि हर कोई टेस्ट क्रिकेट खेल रहा है।

योगी ने एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्वकप- 2025 की ट्रॉफी का किया स्वागत

लखनऊ, वार्ता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तमिलनाडु में होने वाले एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 की प्रतिष्ठित ट्रॉफी का बुधवार को भव्य स्वागत किया। उन्होंने कहा कि लखनऊ में एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 की प्रतिष्ठित ट्रॉफी का स्वागत करना मेरे और प्रदेशवासियों के लिए आह्लादित करने वाला क्षण है। ६ जूनियर पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप में भारत, चीन, बेल्टियम जापान, स्पेन, न्यूजीलैंड चिली, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया समेत 24 टीम हिस्सा ले रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में इस ट्रॉफी का आना यूपी के स्वर्णिम इतिहास का स्मरण कराने वाला क्षण है। हॉकी इंडिया में उत्तर प्रदेश का योगदान अविस्मरणीय है। योगी ने हॉकी के जादूगर के रूप में विख्यात मेजर ध्यानचंद को भी याद किया। उन्होंने कहा कि मेजर

BCCI का रोहित-कोहली को सख्त संदेश



● **कहा: अगर वे वनडे टीम में बने रहना चाहते हैं, तो उन्हें घरेलू वनडे टूर्नामेंटों में हिस्सा लेना होगा**

मुंबई, वार्ता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने देश के दो दिग्गज क्रिकेटरों रोहित कोहली और रोहित शर्मा को साफ तौर पर संदेश दिया है। बोर्ड ने इन दोनों से कहा है कि अगर वे वनडे टीम में बने रहना चाहते हैं, तो उन्हें घरेलू वनडे टूर्नामेंटों में हिस्सा लेना होगा। दोनों खिलाड़ी अरब टेस्ट और टी-20 अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप से संन्यास ले चुके हैं और सिर्फ

रोहित शर्मा ने मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) को सूचित कर दिया है कि वह विजय हजारो ट्रॉफी के लिए उपलब्ध रहेंगे। वहीं, विराट कोहली की उपलब्धता को लेकर फिलहाल कोई स्पष्टता नहीं है। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बोर्ड और टीम प्रबंधन ने दोनों को स्पष्ट कर दिया है कि अगर उन्हें भारत के लिए खेलना है, तो उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। चूंकि उन्होंने दो प्रारूपों से संन्यास ले लिया है, इसलिए फिटनेस और लय बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है। पिछले महीने ही चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने भी खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट में भाग लेने की जरूरत पर जोर दिया था। उन्होंने कहा था, 'हमने पहले भी स्पष्ट किया था कि जब भी खिलाड़ी उपलब्ध हों, उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। यही तरीका है खुद को शाप रखने का, खासकर जब अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लंबा ब्रेक हो।

कार्लोस ने एटीपी फाइनल्स में टेलर को हराया

इटली, वार्ता। विश्व के नंबर दो टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज एटीपी फाइनल्स में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बना ली है। इसी जीत के साथ ही वह अपने करियर में दूसरी बार शीर्ष रैंकिंग हासिल करने के करीब पहुंच गए हैं। स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी अल्काराज ने मंगलवार को एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट में पहला सेट हारने के बाद वापसी करते हुए टेलर फ्रिट्ज को 6-7 (2), 7-5, 6-3 से हराया।

उत्तर रेलवे ई निविदा सूचना			
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रबन्ध मन्त्रालय अधिवक्ता /प्रथम द्वारा निम्नलिखित ई टेंडर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेंडर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की धरोहर राजी का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध गेट बैकिंग, डेडिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आगलाहना भुगतान करना होगा।। डिमाण्ड ड्राफ्ट बैंक बैंक डिपॉजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।			
टेंडर संख्या	230-DRM-MB-25-26 dt. 12.11.2025	231-DRM-MB-25-26 dt. 12.11.2025	
कार्य का नाम	Provision of Cold Weather Patrolman companion in the section of ADEN/HW	Provision of Cold Weather Patrolman companion in the section of ADEN/RK	
कार्य / सर्विस	Service	Service	
सिंगल /दू पैकेट	Single Packet	Single Packet	
टेंडर क्लोसिंग दिनांक	05.12.2025	05.12.2025	
टेंडर क्लोसिंग समय	16:00 hrs	16:00 hrs	
अनुमानित लागत	24,46,959.80	44,62,102.80	
घरोहर राशि	48,900.00	89,300.00	
टेंडर फार्म की लागत	3,000.00	3,000.00	
कार्य पूर्ण करने की अवधि	03 Months	03 Months	
बिडिंग आरंभ तिथि	21.11.2025	21.11.2025	
आफर की वैधता	90 Days	90 Days	
टेंडर नं. 75M/23/WA/DEN/T/T. Notice दिनांक 12.11.2025			3516/2025
याहदकों की सेवा में गुरूकाण के साथ			

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, मुरादाबाद वृत्त, लो0नि0वि0 मुरादाबाद

पंजाब- 7000 / ई-निविदा-गुपुत्ता / 25-26				दिनांक :- 04.11.2025			
अल्यकालीन ई-निविदा सूचना							
1 महामहिम, राज्यपाल उ0ग0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, मुरादाबाद कूल, लो0नि0वि0 मुरादाबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑगलाइन निविदाये वेबसाइट http://etender.up.nic.in के माध्यम से कौलन-8 के अनुसार अर्ह एवं पंजीकृत (पाण्डू ससु कार्यो में अनुमती) निविदादाताओं से दिनांक 14.11.2025 प्रातः 10 बजे से 20.11.2025 समान दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कौलन 5 तथा 7 में दर्शाई गयी धनराशि E-Tender Portal पर Net Banking के माध्यम से जमा करना अनिवार्य होगा। निविदा की श्री-क्वालिफिकेशन / टेंडनीकल बिड दिनांक 20.11.2025 को समान दोपहर 12.00 बजे एवं अधीरक्षेत्र की कार्यालय तक ने उपस्थित /अधीकृत राजिस्टर्ड फर्म के प्रतिनिधियों के समक्ष गठित समिति के सदस्यों द्वारा ऑनलाइन खोली जायेगी। टेंडनिकल बिड ने क्वालिफाई पाये गये टेंकदातों की फाईनललिड बिड खोले जाने के दिनांक व समय पृथक से सूचना इस कार्यालय द्वारा जारी की जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा छुट्टी होने की दशा में श्री-क्वालिफिकेशन / टेंडनीकल बिड उसी क्रम एवं समयानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। कार्या का विवरण निम्नलिखित है-							
क्र	जिल	कार्य का नाम	जनुमानित लागत (रु0 लाख में)	घरोहर धनराशि (रु0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा काल सहित)	निविदा प्रत्यक्ष कार्य स्टेनारी य जी0एव0डी सलित रु0 में	टेंकदात की पंजीकृत श्रेणी क्षान्द ससु कार्गो में अनुमती)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	मुरादाबाद	जगमद मुरादाबाद में काठ के नगर पंचायत अवाधनपुर से समगंगा के नदी के ऊपर राम घटकाली तक पाण्डू पुल एवं पड़ुव मार्ग का निर्माण का कार्य।	122.54	8.13	03 माह	300+2000 +54+2354	"ए. बी. (मार्ग श्रेणी)
निविदा से सम्बन्धित निगम/सर्वो तथा विवरण वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। शाननादेश ख0-8791(1)/23-7-2020-176(सि)/06 दिनांक 25.08.2020 एवं प्रमुख अभियन्ता (निकास) एवं निगमाध्यक्ष लोक निगम निगम लखनऊ के पत्रांक 4650 /4एन-एलसी/2020 दिनांक 27.08.2020 के अनुसार निविदादाता को प्रदरी सू0आ0एल0 http://www.uppwd.gov.in/prahari/ पर लीग इन कर आवश्यक अमल्लेख अमल्लेख करने होगा।							
(कुलदीप सक्)				(एस0पी0 सिंह)			
अधिराशी अभियन्ता, प्राचीन खण्ड, लो0नि0वि0, मुरादाबाद।				अधीक्षण अभियन्ता, मुरादाबाद कूल, लो0नि0वि0, मुरादाबाद।			
UPID-240216, DATE-11/11/2025				(महामहिम राज्यपाल की ओर से)			
WEBSITE-www.up.gov.in				ई-मेल: semoradabad14@gmail.com			

धमाके का पाक कनेक्शन

दिल्ली के लाल किले के पास हुए भीषण धमाके की धमक पाकिस्तान तक पहुंच गई है। जांच में खुलासा हुआ कि यह एक आत्मघाती हमला था जिसे डा. उमर नबी ने अंजाम दिया। इस हमले के तार फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल अल-फलाहा यूनिवर्सिटी और जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हैं। इसकी साजिश पुलवामा और पाकिस्तान में रचे जाने की आशंका है। क्योंकि गिरफ्तार महिला प्रहरेशर डा. शाहीन का पाकिस्तान कनेक्शन सामने आया है। डा. शाहीन भारत में जैश की महिला विंग की हेड हैं। जैश की महिला विंग का नाम जमात उल मोमिनात है, जिसे आतंकी मसूद अजहर की बहन सादिया अजहर हैंडल करती है। सादिया का पति कंधार हाईवेज का मास्टरमार्क करने की गिरफ्तार डा. शाहीन के पास भारत में लालईकियों को भर्ती करने की जिम्मेदारी थी। देश की खुफिया एजेंसी को जानकारी मिली है कि यह धमाका पहलगाम में पर्यटकों की हत्या किए जाने और उसके बाद भारत की ओर से ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाक में छुपे आतंकियों के अड्डे नेस्तनाबूद करने के विरोध में था। इस बात से साफ है कि पाकिस्तान एक और दुनिया को बता रहा है कि वह आतंकवादियों पर कार्रवाई कर रहा है, दूसरी ओर वह आतंकवादियों को पनाह दिए हुए हैं। विपक्ष ने भारत सरकार पर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर हमला था और कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर रोकने की जरूरत क्या थी। वास्तव में अगर भारत सरकार ने विपक्ष की चिंता को गंभीरता से लिया होता, तो शायद यह धमका नहीं होता। इसका अंराजा तो उसी समय हो गया था, जब जम्मू कश्मीर पुलिस ने हरियाणा के फरीदाबाद में छापा मारकर विस्फोटक सामग्री वारामक की थी। इस भीषण धमाके में कई लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और कईयों की हालत गंभीर है। ये कोई आम धमाका नहीं था, ये धमाका दिल्ली को दहलाने के लिए किया गया, जांच अगर बढ़ी तो धमाके वाले परफेशन हुए। ये एक आत्मघाती हमला था। चोका के लिए भारी मात्रा में विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया था। सीसीटीवी से निकलकर जो तस्वीर सामने आई है, उसके आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है जिसने इस धमाके को अंजाम दिया है उसका नाम डॉक्टर उमर नबी है। शक है कि डॉक्टर उमर एक आत्मघाती हमलावर था। जांच में इस बात के भी संकेत मिले हैं कि धमाके में अमोनिनिय नाइट्रेट और डेटोनेटर का इस्तेमाल किया गया। फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल से तहत पिछले दिनों गिरफ्तार तीन लोग भी इसी अल-फलाहा यूनिवर्सिटी से जुड़े हैं। हालांकि भारत दुनिया के अलग-अलग मंचों से इस बात को उठता रहा है कि पाक ही आतंकियों की पनाहगार है, लेकिन अब केवल इससे काम चलने वाला नहीं है। जो बादा पीएम मोदी ने किया था कि ऑपरेशन सिंदूर अभी रुका नहीं है, उसी वार्दे को फिर से शुरू करने की जरूरत है। भारत पहले इस बात को यूएनओ में रखे और पाकिस्तान पर चौराफा दबाव बनाकर आतंकियों के अड्डों को नष्ट करने की जरूरत है। क्योंकि यह पहली वारदात नहीं है। पिछले 10 साल से भारत में आतंकवाद गतिविधियां बढ़ी हैं। उन्हें देखते हुए भारत को अपनी विदेशी नीति में पैनापन लाना होगा, जिससे पाकिस्तान को घेरा जा सके। देश में आतंकवाद हिंसा की बढ़ती घटनाओं के दृष्टिगत भारत में उभरती हुई एक सर्वसम्मति है कि आतंकवाद से निपटने के लिए एक सुदृढ़ विभायी ढांचा सृजित किया जाना चाहिए। यहां तक कि आतंकवादियों और संवैधानिक मूल्यों को सुरक्षित रखते हुए भी मानववाक के विरुद्ध लड़ाई में सुझा बलों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है।

मुझे विभाजन नहीं, आशा दिखती है

उनकी सोच का 2047 का ऐसा भारत होना चाहिए जहाँ न हिंसा हो, न नफरत हो और न लोगों में किसी तरह का भय और गुस्सा हो, देश के जेन-जी की बातें और उनके विचारों की गहराई देखकर उन्हें इन बच्चों से बहुत उम्मीद है, हमें ऐसा भारत बनाना चाहिए जहाँ भाईचारा हो, हर आदमी खुद को सुरक्षित महसूस करे और उसे विश्वास रहे कि वह कहीं भी असुरक्षित नहीं है, सबसे बड़ी बात आजादी की है, इजाजत को महसूस हो कि उनकी कल्पना के अनुसार काम करने की स्वाजत मिले, जहाँ ये युवा भारत से बात करता हूँ, तो मुझे विभाजन नहीं, आशा दिखती है।



-राहुल गांधी
नेता विपक्ष, लोकसभा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत 9 नवंबर 2025 को उत्तराखंड की राजधानी देहरादून स्थित फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट में 25वें राज्य स्थापना दिवस के मुख्य समारोह को सम्बोधित किया। गौर तलब है कि उत्तराखंड का गठन 9 नवंबर 2000 को उत्तर प्रदेश से अलग होकर हुआ था। इस समारोह में पीएम मोदी ने भारतीय जन परंपरा को राज्य की आध्यात्मिक धरोहर से जोड़कर युवाओं को प्रेरित करने का प्रयास किया। कार्यक्रम को भाग लेने के मकसद से इस आयोजन में भाग लेने हेतु प्रदेश के अनेक शिक्षण संस्थानों के छात्रों को लाने की व्यवस्था की गई थी। प्रधानमंत्री ने यहां अपने संबोधन में युवाओं से अह्वान किया कि वे प्राचीन ज्ञान को आधुनिक ज्ञान से जोड़ें। निश्चित रूप से योग व आयुर्वेद जैसी प्राचीन भारतीय ज्ञान सम्बन्धी कई बातें ऐसी हैं जिन पर देश को गर्व है परन्तु वास्तविक प्राचीन भारतीय ज्ञान की आड़ में पैरिणतिक कथाओं से प्राप्त ज्ञान को आज के वैज्ञानिक युग में ज्ञान बातेत हुए छात्रों को प्रमित करना, यह कहा तक उचित है? प्रधानमंत्री सहित देश के कई जिम्मेदार लोगों द्वारा समय समय पर देश के भविष्य के कर्णधार छात्रों व युवाओं को सम्बोधित करते हुए ऐसी अनेक बातों की जा चुकी हैं जिनका न केवल मजकूर उद्घाटन गया बल्कि एक बड़े वैज्ञानिक व शिक्षित वर्ग द्वारा इसका खंडन भी किया गया।

याद कोजिए अक्टूबर 2014 में जब रन फार्
यूनिटी कार्यक्रम के संदर्भ में मुंबई के एक
अस्पताल में चिकित्सकों और पेशेवरों का
संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि
भगवान गणेश के सिर पर हाथी का सिर लगाना
प्राचीन भारत में प्लास्टिक सर्जरी का प्रमाण है।
हमारे देश ने चिकित्सा विज्ञान में जो हासिल किया
था, उस पर गर्व महसूस कर सकते हैं। हम गणेश
को पूजते हैं, जिन्हें सिर पर हाथी का सिर
लगाया गया था। यह प्लास्टिक सर्जरी की
शुरुआत थी। मोदी की इस बयान की न केवल
विपक्षी दलों द्वारा बलिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा भी तीखी
आलोचना की गई थी। इस आलोचना का कारण
यह था कि मोदी का कथन पूर्णतः अवैज्ञानिक व
तर्कहीन था, क्योंकि गणेश हिंदू पौराणिक कथा
के चरित्र हैं यह कोई ऐतिहासिक व्यक्ति नहीं।
जबकि प्लास्टिक सर्जरी का आधुनिक विकास
19वीं सदी में जोसेफ काप्प्यू जैसे ब्रिटिश डॉक्टरों
द्वारा किया गया था, परन्तु हाथी को सिर का मानव
शरीर पर प्रत्यारोपण जैसा कोई पुरातात्विक या
चिकित्सकीय प्रमाण कतई नहीं है। प्रधानमंत्री
मोदी का यह प्रयास मिथक को इतिहास बनाने का
प्रयास है, जोकि सरासर विज्ञान-विरोधी है।

कहां तक बहेगी ज्ञान की अविरल धारा



इसी तरह मोदी ने ऐसी ही ज्ञान गंगा बहाने वाली एक पुस्तक की प्रशंसा करते हुए पुस्तक प्रस्तावना में लिखा कि प्राचीन भारत में टेस्ट-ट्यूब बेबी, स्टेम सेल तकनीक, हवाई जहाज और न्यूक्लियर तकनीक आदि मौजूद थीं जो कि प्राचीन ज्ञान का प्रमाण थी। इन बातों को भी दुनिया को एक बड़े शिक्षित व वैज्ञानिक वर्ग ने खारिज किया, क्योंकि यह भी अवैज्ञानिक व महाभारत दावे थे और यह सभी दावे वेदों और महाभारत की कथाओं व उनकी व्याख्या पर आधारित हैं। इन दावों का भी कोई भौतिक साक्ष्य जैसे अवशेष या ग्रंथ आदि उपलब्ध नहीं है। स्वच्छाई यह है कि आधुनिक IVF 1978 में प्रचलित हुआ, जबकि हवाई जहाज का आविष्कार 1903 में हुआ। प्रधानमंत्री इस तरह की अनेक बातें कर चुके हैं जो कि पूरी तरह से अवैज्ञानिक व तर्कहीन हैं तथा इतिहास में उनके कोई प्रमाण भी नहीं मिलते।

इसी तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 26 फरवरी 2019 को भारतीय वायु सेना द्वारा बालाकोट एयर स्ट्राइक के संदर्भ में दिए गए अपने एक साक्षात्कार में यह दावा करते हैं कि उन्होंने सलाह दी कि खराब मौसम और बादलों का फायदा उठाते हुए भारतीय विमानों को पाकिस्तानी रडार से बचाया जा सकता है, क्योंकि बादल हैं तो रडार से बच सकते हैं। बालाकोट हमले की रणनीति पर चर्चा के दौरान अगर मोदी के इस ज्ञान का भी काफी मजाक उड़ाया गया था और विशेषज्ञों ने इसे तकनीकी रूप से गलत बताया, क्योंकि सामान्यतः रडार बादलों से प्रभावित नहीं होता। इसी तरह वे बायोगैस के महत्व को महसूस करने के लिए किसानों का गांव ले की कहानी गढ़कर बताने लाते हैं कि एक छोटे शहर में नाले के पास चाय बेचने वाले व्यक्ति ने नाले से निकलने वाली मीथेन गैस का उपयोग कर चाय बनाने के लिए किस तरह पैसा कमाया। तो कभी किसी किसान की कहानी सुना डालते हैं



जिसने रसोई के कचरे और गोबर से बायोगैस बनाकर पंप इंजन चलाया।

दरअसल जब से भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आई है तभी से प्रधानमंत्री सहित ऊंचे ओहदे पर बैठे अनेक लोग इस तरह की अवैधानिक व तर्कहीन बातें कर हमारे देश के छात्रों का भविष्य चोपट करने पर तैयार हुए हैं। आश्चर्य की बात तो यह है कि यह लोग हिंदूवादी विचार के अंशितसिद्धांतों को खुश करने के फेर में यह भूल जाते हैं कि यह उस अगली पीढ़ी का भविष्य अंधकारमय बना रही है जो भविष्य में देश की बागडोर संभालनेवाला है। कभी केंद्रीय खात्री अरुणा ठाकुर हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के पीएम नवोदय विद्यालय में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर छात्रों में साक्ष्य संवाद के दौरान यह जना सझा जताते सुनाई देते हैं कि हनुमान जी पहले अंतरिक्ष यात्री थे। जबकि ऐतिहासिक रूप से पहले अंतरिक्ष यात्री सोवियत संघ के युरी गागरिन थे। ठाकुर के इस खबरे की भी पृथक् और अवैधानिक व तर्कहीन बताते हुए खूब आलोचना की गई थी। इसी तरह राजस्थान हाईकोर्ट के जज न्यायमूर्ति महेश चंद्र शर्मा ने अपने रिटायरमेंट के अंतिम दिन भी 2017 को मीडिया से बातचीत में इसी शृंखलांगार बहाई। उन्होंने कहा कि प्योरे आजीवन ब्रह्मचारी रहता है। इसके जो आंसू आती हैं, मोरनी उस चुनकर गर्भवती होती है। उसी समय पक्षी विशेषज्ञों ने इसे गलत व कोरा झूठ बताया था। क्योंकि मोर और मोरनी भी अन्य पक्षियों की ही तरह सामान्य संभोग से ही प्रजनन करते हैं।

सवाल यह है कि आज सूचना व संचार के आधुनिक युग में खासकर ए आई के दौर में ऐसी निरर्थक तर्कहीन व अवैज्ञानिक बातें कर यह महाज्ञानी लोग देश के युवाओं के भविष्य को कब तक अंधकारमय बनाते रहेंगे और कहां तक बहेगी ऐसे ज्ञान की अविरल धारा?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

चीनी की जगह मीठी गोलियों का प्रयोग क्यों!

जुबान पर मिठास छोड़ने के बाद इसके अणु आंतों में चोखे नहीं जाते। साफ है कि चीनी के अणुओं के मुक, तबले इन्हें कैलोरी मुक्त क्य माना जाता है। साइंस की नेचर पत्रिका में छपी रिपोर्ट के मुताबिक रिसर्चों का कहना है कि जब उन्होंने प्रयोगशाला में चूहे पर और कुछ इसांनों पर जांच की, तो इसके नुकसान पाए। उनके मुताबिक एनएस आंतों में रहने वाले बैक्टीरिया की क्रियाशीलता को प्रभावित करती है। रिसर्च पेपर में लिखा है कि हमारी रिपोर्ट में साफ जाहिर है कि एनएस उसी बीमारी को बढ़ावा देती है, जिससे लड़ना उसका मकसद था। वैज्ञानिकों ने बताया कि कृत्रिम मिठास या एनएस तीन तरह की होती हैं - एसफारन, सुक्रालोज और सैकेरीन।

वॉनी की जगह इस्तेमाल की जाने वाली मीठी गोलीयों का प्रचार कंपनियां बेहतर स्वास्थ्य का वास्ता देकर करती हैं, लेकिन रिसर्चों का दावा है कि यहीं मिठास आपको डायबिटीज दे सकती है। इन गोलीयों को नौन कैलोरिक आइसोप्रोपिल स्वीटनर एनएएस भी कहते हैं। डाक्टर इस्तेमाल उन पेय पदार्थों में भी किया जाता है जो डायट सोडा के नाम पर बाजार में उपलब्ध हैं। यहां तक खानपान की कई मीठी चीजों भी बाजार में शुगर रहित कहकर बेची जा रही हैं। इनमें भी मिठास इन्हीं एनएएस स्वीटनर से डाली जाती है। वजन को लिये चिंतित लोग इन दिनों बड़े स्तर पर इन गोलीयों का इस्तेमाल कर रहे हैं। जबान पर मिठास छोड़ने के बाद इसके अनुभू अंतों में सोखे नुबान जाता। साफ है कि चीनी के अनुभूओं के मुकाबले इन्हें कैलोरी मुक्त क्यों माना जाता है। साइंस की नेचर प्रजिका में छपी रिपोर्टों के मुताबिक रिसर्चों का कहना है कि जब उनमें पचने योग्य कार्बोहाइड्रेट में बदले पर और कुछ इसानों पर जांच की, तो इसके नुकसान पाए। एक मुताबिक एनएएस अंतों में रहने वाली बैक्टीरिया को क्रियाशीलता को प्रभावित करती है। रिसर्च पेपर में लिखा है कि हमारी रिपोर्ट में साफ जाहिर है कि एनएएस उसी बीमारी को बढ़ावा देती है, जिससे लड़ना उसका मकसद था। वैज्ञानिकों ने बताया कि कृत्रिम मिठास यकन एनएएस तन तरह की होती हैं - एसपार्टेम, सुक्रालोज और सैकरिन। प्रयोगशाला में जब चुहों को एनएएस दी गई, तो उनमें शरीर में ग्लूकोस के लिए इंटीलरेंस पाई गई, जबकि उन चुहों को सामान्य पानी या पानी में नौन योलेकर पिलाया गया, तो उन पर कोई फर्क नहीं

पहला। अब इन दोनों ही तरह के चूहों के मल को उन रोडेंट्स को खिलाया गया, जिनकी खुद की आंठों में गंद बैक्टीरिया नहीं होते। उन्होंने पाया कि कृत्रिम मिठास की गोमालियां खाते-खाते चूहों के मल को तेजी से बंदे वाले जीवों में ब्लाइंट ग्लूकोज का स्तर तेजी से बढ़ गया। इसी स्ट्रेट को रिसर्चरों ने मनुष्य पर भी आजमाया। उन्होंने सात ऐसे लोगों को, जो कृत्रिम मिठास का सेवन नहीं करते, सात दिनों तक एनएफएस का इस्तेमाल कराया। उन्होंने पाया कि चार से सात दिन के अंदर उनके ब्लाइंट शुगर के स्तर में वृद्धि हो गई और आंठों के बैक्टीरिया भी प्रभावित हुए। आज भारत में 4.5 करोड़ व्यक्ति डायबिटीज (मधुमेह) का शिकार हैं। इसका मुख्य कारण है असंतुलित खाद्यपान, इसका सही तनाव, मोटापा, खानपान की कमी। इसी कारण यह राश हमारे देश में बढ़ी तेजी से बढ़ रहा है। डायबिटीज का चयापचय से संबंधित बीमारी है। इसमें कार्बोहाइड्रेट और ग्लूकोज का ऑक्सीकरण पूर्ण रूप से नहीं हो पाता है। इसका मुख्य कारण है ईसुलिन की कमी। ईसुलिन नाम सामान्य पेनसिलीन का आइसलेट अकार्बोहाइड्रेट द्वारा निष्कृत है, जो ग्लूकोज का चयापचय करता है। रक्त में ग्लूकोज की मात्रा सामान्य से ज्यादा तथा सामान्य से कम होना दोनों ही स्थितियां घातक सिद्ध होती हैं। इस राश को प्रारंभिक अवस्था में आहार व्यायाम तथा दवाओं द्वारा कम किया जा सकता है। डायबिटीज में आहार की भूमिका



एसे रोगियों को आहार की मात्रा कैलौरी पर निर्धारित रहती है, जो कि प्रत्येक रोगी की उम्र, वजन, लिंग, ऊँचाई, दिवचर्या, व्यवसाय आदि पर निर्भरित की जाती है। इसके आधार पर प्रत्येक व्यक्ति को अलग-अलग आहार तालिका बनती है। हम यहां पर एक सामान्य डायबिटीज के रोगी की आहार तालिका दे रहे हैं। इसमें भोजन में समय एवं मात्रा पर विशेष ध्यान रखना अति आवश्यक है। तभी आप इन सब चीजों को जानकर स्वस्थ रह सकते हैं और अपने परिवार को भी स्वस्थ रख सकते हैं।

—प्रो. टी.पी.सी.

कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन भयावह

हा लिखा जलवायु सम्मेलनों में नेट-जीरो उत्सर्जन काफी चर्चा में रहा। इसमें नेट शब्द का अर्थ है कि हम सिर्फ उत्सर्जन कम करते पर नहीं बल्कि कार्बन डाईऑक्साइड को वातावरण में हटाने पर भी ध्यान दें। एक विचार यह है कि सिर्फ उत्सर्जन कम करके हम 1.5 या 2 डिग्री वृद्धि का लक्ष्य नहीं जा सकेंगे। फिलहाल उड्डयन उड्डयन भी नापिचकन ग्रीन हाउस गैसों के सबसे बड़े स्रोत हैं और आगे भी बने रहने की संभावना है। ऐसे में बड़े पैमाने पर कार्बन उत्सर्जन को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता है। इसलिए कार्बन डाईऑक्साइड रिमूवल (सीडीआर) भी आवश्यकता है। सीडीआर का परिहासक तरीका पेड़ लगाना रहा है, लेकिन वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड हटाकर मिट्टी, समुद्र या अन्य स्थानों पर संग्रहित कर देना सीधे अप्रत्यक्ष विकास साधित हो।

वर्तमान में कई कंपनियाँ विभिन्न सीडीआर तकनीकों को जलवायु समाधानों के रूप में प्रस्तुत कर रही हैं। इस विषय में प्राकृतिक कार्बन चक्र और हाल ही में सीडीआर तकनीकों पर काम कर रहे डेविड टी. हो लंबी अवधि के लिए सीडीआर तकनीकों को विकसित करने के पक्ष में हैं। लेकिन चूंकि संशय में है। गौरवत्व है कि पूर्व में डायरेक्ट एयर कैप्चर (डीएससी) तकनीक का छोटे स्तर पर प्रदर्शन किया गया था जो रासायनिक तरीकों से कार्बन डाईऑक्साइड को वातावरण से बाहर करती है। इसके लिए 2022 में यूएसए बायोपार्टीज इनोवास्क्चर कानून ने चार सीडीएससी विकसित करने के लिए 3.5 अरब डॉलर अनुदान देने का भी निर्णय लिया था, लेकिन डेविड के अनुसार यह प्रयास तब तक व्यर्थ है जब तक प्रयुष्णकारी



गतिविधियों को पूरी तरह से खत्म न कर दिया जाए।

इसको इस तरह से समझें। हमें कार्बन डाईऑक्साइड को स्टोर को कई वर्ष पहले की स्थिति में ले जाना है। प्रत्येक डीसीसी सुविधा से प्रतिवर्ष 10 लाख टन कार्बन डाईऑक्साइड वातावरण से बाहर करने की उम्मीद है। अब देखिए कि 2022 में 40.5 अरब टन कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन हुआ है। यदि डीसीसी संरंघ वर्ष भर अपनी पूरी क्षमता के साथ काम करने में तो इससे वातावरण की स्थिति को मात्र 13 मिनट पीछे ले जाया जा सकता है, लेकिन 13 मिनट में जितनी कार्बन डाईऑक्साइड हटाई जाएगी उतने ही

समय में बाकी

डाईऑक्साइड वापस वातावरण में उड़ेल देगी अब यह देखिए कि यदि हर व्यक्ति अपने पेड़ लगाए 8 अरब पेड़ों/वृक्षों के परिपक्व होने के बाद हमारा वातावरण इन वृक्ष 43 अरब पीछे जा सकता है। कुल मिलाकर इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि सीडीओआर तकनीकों की क्षमता कितनी सीमित है। ऐसे में सीडीओआर तकनीकों को तत्काल समाधान के रूप में देखना उचित नहीं है। आने वाले समय में जलवायु को समाधानों के लिए काफी धन आवंटित होने की उम्मीद है। जिसका सही दिशा में उपयोग करना आवश्यक है। यदि हम

गतिविधियां साल भर की कार्बन

कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन के मौजूदा स्तर को लगभग 10 प्रतिशत तक घटाने 4 अरब टन प्रति वर्ष तक समय कर रहे हैं। तो 10 लाख टन हरने में सक्षम एक डीपीसी संस्थापक हैं। मिनट के बजाय 2 घंटे से अधिक समय पीछे ले जाएगी। इस तरह स्थिति को दबाने हुए एक निर्धारित वर्ष में नेट जीरो हासिल करने के लिए पूरी तरह से अक्षय ऊर्जा द्वारा संचालित 4000 डीपीसी सुविधाओं की आवश्यकता होगी। इस तरह से अवशिष्ट उत्सर्जन संभवतः हमारे वर्तमान कुल उत्सर्जन का 18 प्रतिशत होगा, इसलिए नेट-जीरो तक पहुँचने के लिए कई सीडीआर आवश्यक करने होंगे। तकरीबन 7290 डीपीसी

गौरलतब है कि पूर्व में डायरेक्ट एयर कैंचर (डोएसी) तकनीक का छोटे स्तर पर प्रदर्शन किया गया था जो यसायनिक तरीकों से कार्बन डाईऑक्साइड को वातावरण से बाहर करती है। इसके लिए 2022 में 400एमव्हा पायलटिजन इंफ्रास्ट्रक्चर कानून ने चार डोएसी विकसित करने के लिए 3.5 अबड डॉलर का अनुदान देा का भी निर्णय लिया था, लेकिन डेविड के अनुसार यह प्रयास तब तक व्यर्थ है जब तक प्रदूषणकारी गतिविधियों को पूरी तरह से खत्म न कर दिया जाए। इसको इस तरह से समझें। हमें कार्बन डाईऑक्साइड के स्तर को कंड वर्ष पहले की स्थिति में ले जाना है। प्रत्येक डोएसी सुविधा से प्रतिवर्ष 10 लाख टन कार्बन डाईऑक्साइड वातावरण से बाहर करेगी की उम्मीद है। अब देखिए कि 2022 में 40.5 अरब टन कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन हुआ है। यदि डोएसी संयंत्र वर्ष भर अपनी पूरी क्षमता के साथ काम करेते हैं तो इससे वातावरण की स्थिति को सात 13 मिन्ट पीछे ले जाया जा सकता है, लेकिन 13 मिन्ट में जितनी कार्बन डाईऑक्साइड हटाई जाएगी उतने ही समय में बाकी गतिविधियां साल भर की कार्बन डाईऑक्साइड वापस वातावरण में उंडेल देंगी।

हव बनाना पर्याप्त होगा। साथ ही, सीडीआर विधियों को खोज के लिए अधिक शोध को आवश्यक है जो भूमि प्रयोगों और ऊर्जा खपत को कम करने तथा चिन्हें स्थाई और सस्ता बनाना जा सके। यह जरूरी नहीं कि प्रयोगशाला में सुचारु रूप से काम करने वाली तकनीकें वास्तविक दुनिया में भी वैसे ही काम करेंगी। इनमें से कुछ तकनीकें जैव विविधता और पर्यावरण के लिए हानिकारक भी हो सकती हैं। यह सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती है कि सीडीआर वास्तव में कितना काम कर रहा है।

-साभार एसएफ

